नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 356
दि. 29.04.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सपा-कांग्रेस ने 33% महिला आरक्षण रोका, मैं इसे पूरा करूंगा': प्रधानमंत्री मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (28 अप्रैल) को अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे और 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम में हजारों बहनों-बेटियों के बीच पहुंचकर महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख दिया। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने साफ कहा, 'सपा-कांग्रेस के कारण 33% महिला आरक्षण का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका, लेकिन हम इसे लाकर रहेंगे।' उन्होंने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में नारी शक्ति को सबसे मजबूत स्तंभ बताया और काशी की बहनों से आशीर्वाद मांगा।

यह कार्यक्रम महज एक भाषण नहीं, बल्कि महिला आरक्षण, विकास योजनाओं और विपक्ष पर तीखे हमले का पूरा पैकेज था। पीएम मोदी ने अपनी 10 बड़ी बातें रखीं, जो न सिर्फ काशी बल्कि पूरे देश की बहनों के लिए संदेश बन गईं। आइए विस्तार से समझते हैं – पीएम की मुख्य बातें, उनका मतलब और आगे का रोडमैप....

1.भारत का विकास मिशन अनवरत है, सबसे मजबूत स्तंभ हैं भारत की नारीः पीएम ने कहा कि विकसित भारत का सपना बिना नारी शक्ति के अधूरा है। काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने बहनों को विकास का केंद्र बताया।

2. महिला आरक्षण पर सपा-कांग्रेस को घेराः 'सपा और कांग्रेस के कारण हमारा यह लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। लेकिन हम इसे लाकर रहेंगे।' पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि विपक्ष ने महिला आरक्षण बिल को अटका दिया था, लेकिन अब सरकार इसे लागू करके रहेगी।

3. काशी की बहनों ने बहुत संघर्ष किया : अतीत में बेटियों को 'तुम क्या करोगी', 'यह काम तुमसे नहीं होगा' जैसे सवालों का सामना करना पड़ा। कई बार तो सवाल भी नहीं पूछे जाते थे, सीधे फरमान सुनाए जाते थे।

4. धर्म-संस्कृति की दीवारें तोड़ीं : पीएम ने कहा कि उन्होंने पुरानी धारणाओं को तोड़ने का काम किया। बेटियों को न सिर्फ पढ़ाई, बल्कि आत्मविश्वास भी दिया।

5. दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं – बेटियों का दाखिला बढ़ायाः पहली योजना में बेटियों को स्कूल-कॉलेज में ज्यादा दाखिला सुनिश्चित किया। दूसरी 'कन्या निधि' योजना के तहत आर्थिक सहयोग दिया गया।

6. 12 करोड़ इज्जत घर बने – गरिमा के साथ रहने का अधिकार : सरकार ने महिला कल्याण को प्राथमिकता दी। 12 करोड़ से ज्यादा 'इज्जत घर' (शौचालय) बनाए गए, जिससे बहनों की गरिमा बढ़ी।

7. 30 करोड़ से ज्यादा बहनों के बैंक खाते खुलेः जनधन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा। अब वे सीधे योजनाओं का लाभ ले रही हैं।

8. 12 करोड़ से ज्यादा घरों में नल से जल पहुंचायाः जल जीवन मिशन के तहत बहनों के घरों तक साफ पानी पहुंचा, जिससे उनके स्वास्थ्य और समय दोनों बचे।

9. सुकन्या समृद्धि योजना – काशी में 300 रुपये ट्रांसफरः दो साल पहले काशी में बड़े अभियान के तहत हर बेटी के खाते में 300 रुपये ट्रांसफर किए गए। इससे बेटियों की पढ़ाई को बल मिला।

10. मुद्रा योजना + संपत्ति बहनों के नाम – पढ़ाई, कमाई, दवाई और सुरक्षाः मुद्रा योजना से लाखों बहनों को स्वरोजगार मिला। साथ ही संपत्ति (घर/जमीन) बहनों के नाम कराई गई, ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत बनें।

कार्यक्रम का पूरा मर्म : काशी से देश तक संदेश

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सिर्फ योजनाओं की बात नहीं की, बल्कि भावुकता के साथ काशी की बहनों की पुरानी चुनौतियों को याद किया। उन्होंने कहा कि पहले बेटियों को सीधे फरमान सुनाए जाते थे कि यह काम तुम्हारे बस का नहीं है। लेकिन अब सरकार ने उन दीवारों को तोड़ दिया है।

पीएम ने महिला आरक्षण पर विपक्ष को घेरते हुए कहा कि यह बिल लाने में सपा-कांग्रेस ने रोड़े अटकाए, लेकिन अब इसे पूरा करके रहेंगे। यह बयान 2027 के चुनावी माहौल में खास महत्व रखता है, क्योंकि महिला आरक्षण लागू होने पर देश की एक तिहाई विधानसभाएं और लोकसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

मोदी सरकार की महिला-केंद्रित उपलब्धियां: आंकड़ों में

12 करोड़ इज्जत घरः स्वच्छ भारत मिशन के तहत महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति।

30 करोड़+ जनधन खातेः महिलाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) का फायदा।

12 करोड़+ नल कनेक्शनः जल जीवन मिशन से घरेलू बोझ कम।

सुकन्या समृद्धिः लड़कियों की शिक्षा और शादी के लिए फंड।

मुद्रा योजनाः 30 करोड़ से ज्यादा लोन महिलाओं को दिए गए, जिनमें बड़ी संख्या काशी की बहनों की है।

संपत्ति अधिकारः कई राज्यों में संपत्ति बहनों के नाम पर ट्रांसफर को प्रोत्साहन।

ये आंकड़े साबित करते हैं कि मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि नीति बनाया है।

विपक्ष पर तंज और आगे का रोडमैप

पीएम मोदी ने सपा-कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने महिला आरक्षण को रोकने की कोशिश की। अब सरकार इसे लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान वाराणसी दौरे के दौरान आया, जब पीएम कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं।

मोदी का राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने स्वागत किया,भाजपा अध्यक्ष ने योगी संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए

लखनऊ, 28 अप्रैल (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे, जहां बीएलडब्ल्यू हेलीपैड पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बीएलडब्ल्यू हेलीपैड पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख लोगों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

अमरोहा में गंगा एक्सप्रेसवे का कल होगा शुभारंभ:मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में होंगे शामिल, तैयारियां पूरी

अमरोहा , (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में कल गंगा एक्सप्रेसवे का शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। अमरोहा प्रशासन ने आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।यह कार्यक्रम अमरोहा जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के मंगरोला गांव में आयोजित होगा। गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के उपलक्ष्य में प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं।

पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे उद्घाटन कार्यक्रम के लिए सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है और अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी पुलिसकर्मी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भगवा लहराया! भाजपा ने 120 में से 115 सीटें झटकीं, आप सिमटी-कांग्रेस का डब्बागोल

(जीएनएस)।

गुजरात के हीरे और टेक्सटाइल शहर सूरत में लोकल बॉडी चुनाव 2026 के नतीजे आए और एक बार फिर भगवा रंग छा गया। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से 115 सीटें जीतकर क्लीन स्वीप कर दिया। आम आदमी पार्टी (AAP), जो 2021 में 27 सीटों के साथ मजबूत विपक्ष बनी थी, इस बार सिर्फ 4 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस ने 5 साल बाद 1 सीट जीतकर अपना खाता खोला, लेकिन कुल मिलाकर विपक्ष पूरी तरह चित्त हो गया।

मतदान का औसत प्रतिशत 59.21% रहा। यह नतीजा न सिर्फ इखढ की संगठनात्मक ताकत का प्रमाण है, बल्कि AAP की गुजरात में 'बढ़ती' वाली छवि को भी बड़ा झटका देता है। आइए पूरी कहानी विस्तार से समझते हैं ...

सूरत नगर निगम में 30 वार्डों की 120 सीटों पर वोटिंग 26 अप्रैल 2026 को हुई थी। नतीजे 28 अप्रैल को घोषित हुए। इखढ ने पिछले चुनाव (2021) में जीती 93 सीटों से भी आगे बढ़कर 115 सीटें हासिल कीं। अअढ 27 से गिरकर 4 पर आ गई, जबकि कांग्रेस 2021 में शून्य से 1 सीट तक पहुंची।

पार्टी-वार नतीजे (अंतिम):

BJP: 115 सीटें

AAP: 4 सीटें

कांग्रेसः 1 सीट

अन्यः 0

यह प्रदर्शन BJP के लिए ऐतिहासिक है। सूरत जैसे आर्थिक रूप से मजबूत शहर में तीन दशक से चली आ रही BJP की पकड़ अब और मजबूत हो गई है। AAP सिमटीः 27 से 4 सीटें, बड़े नेताओं को झटका, 2021 में AAP ने सूरत में पहली बार एंट्री की और 27 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। इस बार पार्टी ने भारी तैयारी की, लेकिन नतीजे उलटे पड़े। AAP के दो बड़े चेहरे हार गएः

मनोज सोरथिया (वार्ड नंबर 4): AAP के प्रदेश महासचिव और जमीनी नेता माने जाते हैं। उन्हें BJP की पूरी पैनल (हेतल परमार, हंसा गजेरा, अरविंद काकड़िया और महेश काकड़िया) ने भारी बहुमत से हराया।

पायल सकारिया (वार्ड नंबर 16): सूरत नगर निगम में AAP की विपक्षी नेता। यहां भी BJP ने सारी 4 सीटें छीन लीं। पायल ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि हमारी सारी मेहनत बेकार गई। अगले 5 साल हम और कड़ी मेहनत करेंगे। AAP के लिए यह न सिर्फ सीटों का नुकसान, बल्कि संगठनात्मक और छवि का भी बड़ा झटका है।

BJP का जलवाः वार्ड नंबर 3 में काव्या कथीरिया की एकतरफा जीत

AAP के दिग्गज नेता जहां हारे, वहीं BJP की पैनल ने वार्ड नंबर 3 में कमाल दिखाया। अल्पेश कथीरिया की पत्नी काव्या कथीरिया ने भारी जनसमर्थन के साथ एकतरफा जीत दर्ज की। पूरे वार्ड में BJP की पूरी समिति विजयी हुई और कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल छा गया।

क्यों जीती BJP? विकास, संगठन और जनता का भरोसा

सूरत गुजरात की आर्थिक राजधानी है। यहां हीरा व्यापार, टेक्सटाइल और SMEs का बड़ा नेटवर्क है। BJP सरकार ने पिछले सालों में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़कें, ड्रेनेज और स्वच्छता पर खास फोकस किया। स्थानीय स्तर पर भी BJP ने 'सेवा और सुशासन' का मॉडल चलाया।

विपक्ष AAP और कांग्रेस 'परिवर्तन' का नारा लेकर आए, लेकिन सूरत की जनता ने स्थिरता और विकास को तरजीह दी। BJP की रणनीति थी, हर वार्ड में मजबूत पैनल, घर-घर कैंपेन और विकास कार्यों का हिसाब। नतीजा ये रहा कि 115 सीटें जीती।

पिछले 5 साल में AAP के 14 काउंसलर BJP में शामिल हो गए।

पार्टी की छवि 'दिल्ली-केंद्रित' बनी रही।

स्थानीय मुद्दों पर BJP से मुकाबला नहीं कर पाई।

2027 विधानसभा चुनाव की झलक?

सूरत का यह नतीजा पूरे गुजरात के लिए संदेश है। गुजरात में BJP का शहरी गढ़ पहले से मजबूत था, अब और अभेद्य हो गया। AAP, जो सिर्फ पंजाब में सत्ता में है, गुजरात में अभी भी 'ट्राई' मोड में है।

कांग्रेस का प्रदर्शन और कमजोर हुआ। यह नतीजा 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारी का संकेत भी है। BJP अब और आत्मविश्वास से कह सकती है कि सूरत की जनता ने विकास पर मुहर लगाई।

कौन हैं मिताली बाग? आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से सांसद तक का सफर तय करने वाली वो नेता, कार पर हमले से दहला हुगली

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के आरामबाग में चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में हुई हिंसा ने एक बार फिर राज्य की राजनीति को सुर्खियों में ला दिया है। इस विवाद के केंद्र में हैं तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग , जिन्होंने भाजपा समर्थकों पर अपनी गाड़ी पर पथराव करने और खुद पर हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। गोगहाट इलाके में हुई इस घटना के बाद मिताली बाग का अस्पताल से व्हीलचेयर पर निकलते हुए और फेसबुक लाइव पर भावुक होते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

जहां टीएमसी इसे एक दलित महिला सांसद पर कायराना हमला बता रही है। वहीं भाजपा इसे चुनावी लाभ के लिए किया गया 'नाटक' करार दे रही है। इस सियासी घमासान के बीच हर कोई जानना चाहता है कि आखिर मिताली बाग कौन हैं और उनका राजनीतिक सफर कैसा रहा है।

मिताली बाग की पहचान केवल एक सांसद के रूप में नहीं, बल्कि

संघर्ष की एक मिसाल के तौर पर होती है। राजनीति में आने से पहले वह एक साधारण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करती थीं। एक बेहद सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली मिताली ने बर्दवान विश्वविद्यालय से इतिहास में एमए की शिक्षा प्राप्त की है। जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव और उनकी सादगी ने ही उन्हें ममता बनर्जी की नजर में लाया और उन्हें आरामबाग जैसी महत्वपूर्ण सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया।

देश की सबसे 'गरीब' सांसदों में शुमार

2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मिताली बाग तब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आईं, जब उनके चुनावी हलफनामे से पता चला कि वह देश के सबसे कम संपत्ति वाले सांसदों में से एक हैं। उनकी कुल घोषित संपत्ति मात्र 7 लाख रुपये के करीब थी। एक तरफ जहां करोड़ों की संपत्ति वाले उम्मीदवारों का बोलबाला रहता है, वहीं मिताली की जीत ने भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती को दशार्या था।

होर्मुज को लेकर आर-पार के मूड में पुतिन! रूसी राजदूत ने यूएन में किया तेहरान का खुला समर्थन

रूस और ईरान के बीच बढ़ती नजदीकी ने दुनिया भर की भू-राजनीति में हलचल मचा दी है। संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंजिया ने स्पष्ट किया है कि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ईरान का पूरा नियंत्रण है और वह अपनी

सुरक्षा के लिए यहां जहाजों की आवाजाही रोक सकता है। रूस का यह कदम अमेरिका, पश्चिम और भारत जैसे देशों के लिए बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि दुनिया का 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। रूस ने पश्चिमी देशों पर समुद्री डकैती का आरोप लगाते हुए ईरान के फैसले को जायज ठहराया है।

योगी सरकार में पर्यटन और सांस्कृतिक विकास को नई उड़ान, यूपी बना आस्था और विकास का केंद्र

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के नए स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुका है. योगी सरकार की मजबूत नीतियों, पारदर्शी कार्यशैली और विरासत संरक्षण के संकल्प ने प्रदेश को देश के सबसे तेजी से उभरते पर्यटन राज्यों में शामिल कर दिया है.

(जीएनएस)।

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के नए स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर चुका है. योगी सरकार की मजबूत नीतियों, पारदर्शी कार्यशैली और विरासत संरक्षण के संकल्प ने प्रदेश को देश के सबसे तेजी से उभरते पर्यटन राज्यों में शामिल कर दिया है. पर्यटन विभाग की स्थायी समिति की बैठक में सामने आए आंकड़ों ने इस सफलता पर मुहर लगा दी, जहां बताया गया कि पर्यटन बजट में 22 गुना और संस्कृति के लिए बजट में 20 गुना वृद्धि हुई है. वर्ष 2025 में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन प्रदेश की लोकप्रियता का प्रमाण है. अयोध्या, काशी, प्रयागराज समेत धार्मिक स्थलों

का भव्य विकास योगी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है.

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है. वर्ष 2017 से पहले जहां पर्यटन विकास सीमित दायरे में था, वहीं आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में शामिल हो चुका है. उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, सुशासन और योजनाबद्ध विकास के माध्यम से पर्यटन को रोजगार और अर्थव्यवस्था से जोड़ रही है.

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन विभाग के बजट में लगभग 22 गुना और संस्कृति विभाग के बजट में करीब 20 गुना वृद्धि की गई है. यह बढ़ोतरी मुख्यमंत्री योगी की दूरदर्शी सोच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है. उन्होंने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी बनाने में पर्यटन की अहम भूमिका होगी. बैठक में यह भी बताया गया कि वर्ष 2025 में 156 करोड़ से अधिक पर्यटकों का उत्तर प्रदेश आगमन हुआ। जो अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है.

महाकुंभ-2025 के आयोजन ने दुनिया भर का ध्यान खींचा

महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन ने दुनिया भर का ध्यान उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित किया. प्रयागराज, अयोध्या और काशी को जोड़ने वाला स्पिरिचुअल ट्रायंगल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अनूठा आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है. मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार अब एक्सपीरियंशल टूरिज्म पर फोकस कर रही है, ताकि पर्यटक सिर्फ भ्रमण न करें बल्कि प्रदेश में अधिक समय रुकें और स्थानीय संस्कृति, खानपान तथा परंपराओं को करीब से जान सकें. इससे स्थानीय रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा. बैठक में जनप्रतिनिधियों ने झांसी में हेली सेवा, प्रयागराज में वाटर स्पोर्ट्स, सहारनपुर में जंगल सफारी, कानपुर में औद्योगिक पर्यटन और गाजीपुर सहित अन्य क्षेत्रों में पर्यटन विस्तार से जुड़े सुझाव भी दिए हैं.

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊ के 35 प्राइवेट स्कूलों को क्यों मिला नोटिस? मान्यता रद्द करने की भी चेतावनी

(जीएनएस)।

लखनऊ जिलाधिकारी के निर्देश पर बीएसए ने शहर के 35 नामचीन प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी किया है. राइट टू एजुकेशन के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को एडमिशन देने में के आरोप में यह नोटिस जारी की गई है . साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि अगर फ्ळए का पालन नहीं हुआ तो मान्यता भी रद्द हो सकती है.

लखनऊ के 35 प्राइवेट स्कूलों को नोटिस

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को प्रवेश देने में निजी स्कूलों की लापरवाही सामने आई है. अभिभावकों को अपने बच्चों के दाखिले के लिए जिलाधिकारी कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और संबंधित स्कूलों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है. अभिभावकों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर बीएसए विपिन कुमार ने राजधानी के 35 से अधिक नामी निजी विद्यालयों को

नोटिस जारी किया है. इनमें जयपुरिया, सीएमएस, टीपीएस, एलपीएस और स्टडी हॉल जैसे प्रतिष्ठित स्कूल शामिल हैं. आरोप है कि इन स्कूलों ने अब तक आरटीई के तहत बच्चों के प्रवेश के लिए ठोस कदम नहीं उठाए हैं.

बीएसए ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि तय समयसीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो संबंधित स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता तक रद्द की जा सकती है. राजधानी में करीब 1600 से अधिक निजी स्कूलों में आरटीई के तहत लगभग 15 हजार सीटों पर दाखिले का प्रावधान है. इनमें से अब तक करीब 12 हजार बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया जारी है, जबकि शेष सीटों पर दाखिला अभी बाकी है. इधर, अभिभावकों की समस्याएं भी सामने आ रही हैं. एक अभिभावक ने बताया कि उन्होंने कई बार स्कूल से संपर्क किया, सभी जरूरी दस्तावेज भी जमा किए, लेकिन हर बार स्कूल की ओर से मामला टाल दिया जाता है और बच्चे को अब तक एडमिशन नहीं मिल पाया है.

अभिभावक भटकने को मजबूर

वहीं, दूसरे अभिभावक का कहना है कि स्कूल की तरफ से बताया जा रहा है कि लिस्ट जारी नहीं हुई है, जबकि बीएसए कार्यालय में उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया कि लिस्ट पहले ही जारी की जा चुकी है. ऐसे में अभिभावक अलग-अलग दिक्कतों के समाधान के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं. इसी स्थिति को देखते हुए बीएसए ने सख्ती दिखाते हुए निजी स्कूलों को नोटिस जारी किया है. मामले को लेकर प्रशासन सख्त रुख में नजर आ रहा है और साफ संकेत दिए गए हैं कि आरटीई नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

सुप्रीमकोर्ट ने की लखनऊ पब्लिक स्कूल की याचिका खारिज, पात्रता के बहाने नहीं रुकेंगे अब बच्चों के दाखिले

लखनऊ पब्लिक स्कूल द्वारा एक बच्चे को RTE के तहत एडमिशन देने के लिए मना करने पर SC ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि लिस्ट में नाम आने के बाद बिना देरी किए एडमिशन प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

(जीएनएस)।

सुप्रीम कोर्ट (SC) ने शिक्षा के अधिकार (RTE) को लेकर एक ऐतिहासिक टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों का प्रवेश केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं है बल्कि एक 'राष्ट्रीय मिशन' है। न्यायालय ने जोर देते हुए कहा कि RTE कानून के तहत आवंटित छात्रों को बिना किसी देरी के दाखिला देना निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की संवैधानिक और कानूनी जिम्मेदारी है। सुप्रिम कोर्ट का यह फैसला RTE के तरह प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए एक बड़ा फैसला बताया जा रहा है।

शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पड़ोस के स्कूलों द्वारा वंचित वर्ग के छात्रों को प्रवेश देने से इनकार करना, संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत दिए गए मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट के अनुसार, RTE अधिनियम

2009 की धारा 12 के तहत कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों आरक्षित हैं। इन सीटों पर बच्चों को प्रवेश देना समाज की सामाजिक संरचना को बदलने की क्षमता रखता है। यह न केवल शिक्षा की दिशा में एक कदम है, बल्कि समाज में 'दर्जे की गई समानता' सुनिश्चित करने का एक ठोस जरिया भी है।

खारिज हुई लखनऊ पब्लिक स्कूल की अपील

बता दें कि आरटीई के तहत प्रवेश से इंकार करने का यह मामला उत्तर प्रदेश के लखनऊ पब्लिक स्कूल से जुड़ा था। स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए आवंटित एक छात्र को दाखिला देने से मना कर दिया था। स्कूल का तर्क था कि छात्र की पात्रता को लेकर 'अनिश्चितता' है, जबकि छात्र का चयन आधिकारिक सरकारी प्रक्रिया के तहत हुआ था। हाई कोर्ट ने स्कूल को दाखिला देने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट के इस फैसले को स्कूल ने सुप्रिम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल की इस अपील को खारिज करते हुए कड़ा रुख अपनाया और स्पष्ट किया कि सरकारी सूची में नाम आने के बाद स्कूल देरी नहीं कर सकते।

'राष्ट्रीय मिशन' और सामाजिक बदलाव

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अधिनियम के प्रावधानों का ईमानदारी से पालन करना भारत के भविष्य के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकता है। मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का वैधानिक आदेश तभी सार्थक होगा जब स्कूल अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के बच्चों को मुख्यधारा के स्कूलों में जगह देना समानता के संवैधानिक उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

उजाले में ज्यादा समय बिताने वालों की बिगड़ रही जैविक घड़ी, हृदय-मनोरोग के साथ कई बीमारियों का खतरा

लखनऊ, (जीएनएस)।

अक्सर पढ़ते और सुनते हैं कि उजाले की कमी से कई बीमारियां होती हैं लेकिन चिकित्सकों के मुताबिक, शरीर के लिए अंधेरा भी उतना ही जरूरी है जितना कि उजाला। भागदौड़ भरी शहरी जिंदगी में सूरज ढलने के बाद भी कृत्रिम उजाले में काम करना लोगों की आदत बन चुकी है।

अक्सर पढ़ते और सुनते हैं कि उजाले की कमी से कई बीमारियां होती हैं लेकिन चिकित्सकों के मुताबिक, शरीर के लिए अंधेरा भी उतना ही जरूरी है जितना कि उजाला। भागदौड़ भरी शहरी जिंदगी में सूरज ढलने के बाद भी कृत्रिम उजाले में काम करना लोगों की आदत बन चुकी है। इससे कई तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं।

हेल्थ एंड फिटनेस

केजीएमयू के मनोरोग विभाग के मनोचिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार कर, हृदय रोग विभाग के प्रो. डॉ. ऋषि सेठी

और स्त्री कैंसर रोग विशेषज्ञ प्रो. निशा सिंह बताती हैं कि कृत्रिम उजाले की वजह से शरीर के अंदर की जैविक घड़ी प्रभावित होती है। इससे हृदय व मानसिक रोग और कैंसर का खतरा बढ़ता है। आज बेडरूम में सजावट के लिए कृत्रिम रोशनी का इस्तेमाल फैशन बन चुका है। यह स्थिति भी अच्छी नहीं। कायदे से शयन कक्ष में सोते समय अच्छी तरह से अंधेरा होना चाहिए।

डिजिटल डिटॉक्स : सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी से दूरी बना लें।

अंधेरे में सोएं : सोते समय कमरे में पूरी तरह अंधेरा रखें। यदि बाहर से रोशनी आती है, तो मोटे पर्दे का इस्तेमाल करें।

कृत्रिम रोशनी से दूरी : रात बारह बजे से सुबह छह बजे तक कृत्रिम रोशनी से दूर रहें।

कृत्रिम रोशनी दिल को पहुंचती है चोट

हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ ऋषि सेठी के बताते हैं कि रात बारह बजे से सुबह छह बजे तक कृत्रिम उजाले में रहने से हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ता है। इसकी वजह है कृत्रिम उजाले से जैविक घड़ी का बिगड़ना। इससे नींद की गुणवत्ता खराब होती है जिससे तनाव बढ़ता है। यह हृदय संबंधी बीमारियों को बढ़ाने में सहायक होता है।

अंधेरे की कमी से बढ़ रहे अवसाद, अनिद्रा के मामले :

मनोचिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार कर बताते हैं कि मस्तिष्क में अंधेरा होने पर मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव होता है। यह गहरी और सुकून भरी नींद देता है। कृत्रिम रोशनी से मेलाटोनिन का बनना बंद या कम हो जाता है। इससे शरीर की प्राकृतिक जैविक घड़ी पटरी से उतर जाती है। अंधेरे की कमी से शहरों में अनिद्रा, बेचैनी और अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

उप्र सरकार 10 जिलों में आलू खरीद केंद्र शुरू करेगी, लखनऊ-फरुर्खाबाद में आज से शुरूआत

लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार ने आलू किसानों को राहत देते हुए 10 जिलों में तत्काल खरीद केंद्र खोलने के निर्देश दिए हैं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में आलू खरीद केंद्र तुरंत स्थापित करने के निर्देश दिए।

इसके तीन दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार पर आलू खरीद न होने का आरोप लगाते हुए हमला बोला था।

गर्मी की छुट्टियों पर चली 'कैंची', अब इतने दिन पहले ही शुरू हो जाएगी पढ़ाई

(जीएनएस)।

बढ़ते पारे के बीच स्कूली छात्रों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। शिक्षा विभाग ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 का आधिकारिक कैलेंडर जारी कर दिया है, जिसमें छुट्टियों की अवधि में महत्वपूर्ण कटौती की गई है। हर साल की तरह छात्र लंबी छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, लेकिन इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश का समय घटाकर मात्र 35

दिन कर दिया गया है।

विभाग के इस फैसले का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को अधिक व्यवस्थित बनाना और पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना है। नए कैलेंडर के अनुसार न केवल गर्मियों की छुट्टियों में बदलाव हुआ है, बल्कि शीतकालीन अवकाश और स्कूल की टाइमिंग को लेकर भी नए निर्देश जारी किए गए हैं।

ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि में कटौती

राजस्थान के सरकारी और निजी स्कूलों में इस बार गर्मी की छुट्टियां 17 मई 2026 से शुरू होंगी और 20 जून 2026 तक चलेंगी। पूर्व के वर्षों में छात्रों को 40 से 45 दिनों का लंबा अवकाश मिलता था, लेकिन इस बार इसे घटा दिया गया है।

'अगर पीएम मोदी नहीं होते...' सीएम योगी आदित्यनाथ की ये बात सुनकर चौंक जाएगा विपक्ष!

(जीएनएस)।

वाराणसी के नारी वंदन सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को नए भारत का निमार्ता बताया। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, काशी के विकास और विपक्ष की राजनीति पर बड़ा बयान दिया।

वाराणसी की धरती मंगलवार को एक बार फिर राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदेशों की केंद्र बन गई, जब बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (इछह) ग्राउंड में आयोजित 'नारी वंदन सम्मेलन' में मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नए भारत का निमार्ता' बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश 'विरासत से विकास' की नई दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोकने के लिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने बाधा उत्पन्न की, जिसके खिलाफ पूरे देश में महिलाओं के बीच आक्रोश है।

वाराणसी में आयोजित 'नारी वंदन सम्मेलन' में बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की आधी आबादी और समस्त प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन का ही परिणाम है कि आज देश एक नए भारत का दर्शन कर रहा है। यह भारत केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और समग्र विकास की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। योगी ने कहा कि 'विरासत से विकास' की यह यात्रा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

'देश में चार ही जातियां हैं'- पीएम मोदी के विजन का जिक्र

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री के उस विचार को दोहराया, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और अन्नदाता किसान।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यही चार वर्ग पूरे समाज और राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार की योजनाओं का केंद्र इन्हीं वर्गों को बनाया गया है ताकि आर्थिक स्वावलंबन, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दूरदर्शी सोच के साथ इन वर्गों को राजनीति और विकास की मुख्यधारा में लाकर 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की संकल्पना को मजबूत किया है।

काशी आज दुनिया के आकर्षण का केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11झ12 वर्षों में काशी की पहचान पूरी तरह बदल गई है। जो काशी पहले केवल आध्यात्मिक पहचान तक सीमित मानी जाती थी, वह आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा विश्वनाथ की शाश्वत चेतना आज भव्य काशी विश्वनाथ धाम के रूप में पुनः स्थापित हुई है। योगी ने कहा कि विरासत और विकास का जो अद्भुत संतुलन काशी में दिखाई देता है, वही आज पूरे उत्तर प्रदेश और देश में भी नजर आ रहा है।

नारी सशक्तीकरण के लिए लगातार काम कर रहे पीएम मोदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण को हमेशा प्राथमिकता दी है। महिलाओं के लिए कई योजनाएं जमीन पर उतारी गईं, जिससे उन्हें सामाजिक और आर्थिक मजबूती मिली। इसी क्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन ने इस प्रक्रिया में बाधा डाली और संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि यह इन दलों की नारी विरोधी सोच को दशार्ता है और देश की बहन-बेटियां इसे कभी नहीं भूलेंगी।

महिलाओं का समर्थन प्रधानमंत्री के साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोकने के प्रयासों के खिलाफ देश की आधी आबादी का आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने सम्मेलन में बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि देश की महिलाएं प्रधानमंत्री के हर मिशन के साथ मजबूती से खड़ी हैं। प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने के लिए उमड़ी महिलाओं की भीड़ ने इस संदेश को और मजबूत किया।

काशी को मिली विकास की नई सौगात

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काशी ने विकास की लंबी यात्रा तय की है। पिछले एक दशक में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं, जबकि 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं अभी प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने 6,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर काशी को विकास की नई सौगात दी है। यह विकास केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं, बल्कि रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ा हुआ है।

पूर्वोत्तर और बंगाल दौरे के बाद सीधे काशी पहुंचे पीएम

मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी के बावजूद दोपहर से सम्मेलन में मौजूद महिलाओं का अभिवादन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर भारत, ही२३ ईल्लॅ' और ऱ्ं के दौरे के बाद सीधे काशी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री यहां नारी शक्ति से संवाद करने, मां गंगा, मां अन्नपूर्णा और बाबा विश्वनाथ को नमन करने आए हैं। इस अवसर पर राज्यपाल अल्लांल्ल्ग्रील्ल ढं३ी', भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ढ३ल्ल टुंल्ल, केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ढंल्ल; उँ४ी१८ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

यूपी के किसानों को मिलेगी 122.28 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति, 4 मई को योगी सरकार करेगी वितरण

(जीएनएस)।

योगी सरकार 4 मई को उत्तर प्रदेश के किसानों को 122.28 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति वितरित करेगी।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ। फाइल फोटो

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। प्रतिकूल मौसम के कारण प्रभावित होने वाली फसलों से किसानों को सुरक्षा प्रदान करने और उनकी आय स्थिर बनाए रखने के उद्देश्य से योगी सरकार व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और चयनित 60 जनपदों में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना का सफल क्रियान्वयन खरीफ 2016 से बीमा कंपनियों के माध्यम से किया जा रहा है।

निदेशक कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा सुमिता सिंह ने बताया कि इसी क्रम में 4 मई को अपराह्न 04 बजे से प्रदेश के समस्त जनपदों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से खरीफ 2025 एवं रबी 2025-26 की फसल क्षतिपूर्ति धनराशि का वितरण किया जाएगा।

खरीफ 2025 मौसम की कुल देय क्षतिपूर्ति 730.04 करोड़ रुपये में से 624.88 करोड़ रुपये का भुगतान पहले ही किया जा चुका है और शेष 105.16 करोड़ रुपये का भुगतान 4 मई को किया जाएगा।

इसी प्रकार रबी 2025-26 मौसम की शेष 17.11 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भी भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार 04 मई को कुल 122.28 करोड़ रुपये की राशि लाभान्वित किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी।

बता दें कि 21 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'वन-क्लिक' के माध्यम से खरीफ 2025 की 285.00 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति 2.51 लाख किसानों को वितरित की गई थी।

किसानों के लिए प्रीमियम की दरें बेहद किफायती

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017-18 से वर्ष 2025-26 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अब तक कुल 67.86 लाख किसानों को 5755.68 करोड़ रुपये की राशि क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जा चुकी है। यह योजना ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित है, जिसमें खरीफ की प्रमुख फसलें जैसे धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, उर्द, मूंग, अरहर, मूंगफली, सोयाबीन व तिल तथा रबी की फसलों में गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, लाही-सरसों, अलसी व आलू को कवर किया गया है।

किसानों के लिए प्रीमियम की दरें बेहद किफायती रखी गईं हैं, जिसमें खरीफ फसल हेतु बीमित राशि का 2 प्रतिशत, रबी हेतु 1.5 प्रतिशत और वार्षिक नकदी फसलों के लिए अधिकतम 5 प्रतिशत की दर निर्धारित है। कृषक अंश के अतिरिक्त शेष प्रीमियम की धनराशि का वहन केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा समान रूप से किया जाता है।

भीषण गर्मी से मिली राहत, अब 10 दिन तक नहीं चलेगी लू; इन जिलों में वज्रपात और आंधी की चेतावनी

लखनऊ, (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार से मौसम में बदलाव महसूस किया गया। विक्षोभ के असर से यूपी के कुछ पश्चिमी और बुंदेलखंड के जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में लू के प्रकोप से निजात मिली और लोगों को तपिश से राहत मिली।

मंगलवार को बांदा लगातार दूसरे दिन देश भर में सबसे गर्म और अप्रैल माह में छठवीं बार प्रदेश में सर्वाधिक गर्म दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने बताया कि बीते 27 अप्रैल को बांदा 47.6 डिग्री के साथ देश ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक गर्म रहा।

मंगलवार को झांसी में 6.9 मिमी, ललितपुर में 3 मिमी बारिश दर्ज हुई। इसके साथ ही हमीरपुर, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, महोबा आदि में भी बूंदें पड़ी।

मौसम विभाग की ओर से बुधवार के लिए प्रदेश के 58 जिलों में तेज हवा, गरज चमक और बूंदाबांदी की उम्मीद जताई गई है। साथ ही 32 जिलों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र

लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार को पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में गरज चमक और हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं। इसके असर से अगले दस दिन तक प्रदेश में जारी भीषण तपिश से निजात मिलेगी।

27 अप्रैल को विश्व में सर्वाधिक गर्म स्थान

बांदा- भारत- 47.6 डिग्री सेल्सियस

नवाबशाह- पाकिस्तान- 47.5 डिग्री सेल्सियस

जैकोबाबाद- पाकिस्तान- 47.0 डिग्री सेल्सियस

अमरावती- भारत- 46.6 डिग्री सेल्सियस

बाड़मेर- भारत-46.5 डिग्री सेल्सियस

यहां है गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुर्खाबाद, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर,संभल, बदायूं व आस पास के क्षेत्र।

झोंकेदार हवा (गति 40-50 किमी/घंटा) की आशंका

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर व आस पास के क्षेत्र।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

मौजूदा वक्त में सूझ-बूझ से फैसले ले रहे भारत-चीन

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इस वक्त संघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ के सम्मेलन में शामिल होने के लिए गए हैं। उन्होंने वहां रक्षा संबंधी मुद्दों पर सदस्य देशों के रक्षामंत्रियों के साथ अपने विचार रखे किंतु उनकी सम्मेलन के इतर चीनी रक्षामंत्री के साथ बैठक के बाद जो संयुक्त बयान जारी हुआ उसमें ह्यपरमानेंट डि-स्केलेशनह्न शब्द का इस्तेमाल हुआ है। अभी तक जब बयान जारी होते थे तो सिर्फ बातचीत के जरिए आपसी विश्वास को जरिया बनाकर शांति स्थापित करने की बात होती थी लेकिन यह पहली बार है जब परमानेंट डि-स्केलेशन यानि स्थाई समाधान की तरफ बढ़ने की बात की गई है। दरअसल चीन के साथ भारत के संबंध तो हमेशा ही नरम-गरम रहे हैं और दोनों देशों की तरफ से रिश्तों को सामान्य बनाने के प्रयास होते रहे हैं। किंतु 2020 में जब एक बार स्टैण्ड आफ हुआ और गलवान में हमारे 20 तथा उनके भी लगभग 40 जवान मारे गए तो दोनों देशों के बीच संबंध बेहद खराब हो गए थे। यह घटना थी तो अत्यंत दुःखद किंतु वास्तविकता यह है कि इसी घटना के बाद चीन ने जिन नो मैन्स लैण्ड एरिया में निर्माण किया था, भारतीय सैन्य टुकड़ियों ने न सिर्फ वहां तैनात चीनी सैन्य टुकड़ियों को चुनौती दी तथा अपने कमांडों ऊपर तैनात करके चीनी सैनिकों को निशाने पर ले लिया। पहले सीमा पर भारतीय सैन्य नेतृत्व चीन की सैन्य टुकड़ी को पीछे हटने का अनुरोध करती थी किंतु 2020 के गलवान घाटी में संघर्ष के बाद भारतीय सैन्य वार्ताकारों से चीनी सेना के वार्ताकार इस बात के लिए सौदेबाजी करने लगे कि वे अपने अस्थाई ढांचे हटा लेंगे बशर्ते भारतीय सैनिक ऊंचाईयों से नीचे अपनी पूर्व स्थिति में आ जाएं। मतलब कि 2020 के बाद भारतीय सेना का रवैया बिल्कुल बदल चुका है। इसलिए अब चीन की तरफ घुसपैठ की घटनाएं पहले की तरह नहीं होतीं। सच तो यह है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ का ऐसा आतंक फैलाया कि भारत और चीन दोनों देशों में इस बात पर विचार हुआ कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले दो देश यदि आपस में मिलकर व्यापार करें तथा व्यापार संतुलन यानि आयात-निर्यात की खाई को पाट लें तो उन्हें किसी दूसरे खासकर अमेरिका के नखरे बर्दाश्त करने ही नहीं होंगे। दोनों देशों में इस बात की चर्चा हुई और कुछ दिन बाद ही चीन के विदेश मंत्री भारत आए और इन्होंने भारत से वादा किया कि चीन भारत से अच्छे संबंध चाहता है। उन्होंने भारत को यह भी संकेत दिया कि यदि नई दिल्ली और पेइचिंग आपसी समझ विकसित करेंगे तो चीन भारत से आयात भी करेगा और भारत की उन जरूरतों को पूरा करेगा जो उसे किसी भी देश से नहीं मिल सकता। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा संपन्न हुई जहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बहुत सकारात्मक भाव से बातचीत की और आपसी विश्वास बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण यूटनीतिक पहल की। भारत कभी भी नहीं चाहता कि हमारे संबंध अमेरिका से खराब हों किंतु अब भारत यह अच्छी तरह समझ चुका है कि अमेरिका के लिए वह चीन से भी संबंध खराब करने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि ब्रिक्स की अध्यक्षता जब भारत को मिली तो चीन बिल्कुल भी असहज नहीं हुआ बल्कि दोनों देश बड़ी ही सूझ-बूझ से फैसले ले रहे हैं। खबर है कि चीन के राष्ट्रपति भारत आने वाले हैं। इससे उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों में आपसी विश्वास बढ़ेगा और दोनों एक-दूसरे की जरूरतों को महसूस करके सीमा पर विवाद का स्थाई समाधान निकालने के लिए जल्दी ही व्यावहारिक व ठोस पहल करेंगे।

चल पड़ेगी भारत की गाड़ी, पुराना रणनीतिक दोस्त नए संकट से निकालेगा, ये है पीएम की दूरदृष्टि

भारत का खाड़ी में एक पुराना दोस्त है, जो होर्मुज संकट से उसे उबारने में मददगार साबित हो सकता है। पीएम मोदी ने आने वाले संकट को भांपते हुए इसीलिए बीते साल दिसंबर में इस देश का दौरा किया था।

नई दिल्लीः (जीएनएस)। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच खाड़ी में भारत का एक पुराना दोस्त ओमान ही तेल-गैस की सप्लाई के संकट से उबार सकता है। यह वही ओमान है, जहां बीते साल 17-18 दिसंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दौरा किया था। भारत सावधानीपूर्वक खाड़ी की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी ओमान का दौरा किया है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ते के लिए सिग्नल दिया गया है। समुद्री स्थिरता पर अराघची की बात हुई। अरागची ने ओमान के साथ बातचीत में होर्मुज से तेल-गैस के टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही के संकेत दिया। भारत भी ईरान-ओमान के बीच बातचीत पर करीब से नजर रखे हुए था। इसका मकसद यह है कि होर्मुज से भारतीय जहाजों की सुरक्षित निकासी की जा सके। इस बीच, कई भारतीय जहाज अब मुंबई तट पर आने लगे हैं।

भारत के दोस्त से ईरान की लगातार बात

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अराघची ने वार्ता को 'महत्वपूर्ण' करार दिया और द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ व्यापक क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी बात की। उन्होंने कहा-होर्मुज के तट पर स्थित इकलौते देश के रूप में हमारा फोकस सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के तरीकों पर केंद्रित था, जिससे हमारे सभी प्रिय पड़ोसियों और दुनिया को फायदा हो। उन्होंने आगे कहा-'हमारे पड़ोसी हमारी प्राथमिकता हैं।'

होर्मुज स्ट्रेट इलाके में मौजूद हैं 14 भारतीय जहाज

हाल ही में भारतीय जहाज होर्मुज पार करने का उदाहरण 'देश गरिमा' है। यह पिछले बुधवार को मुंबई में डॉक पर पहुंचा। इस टैंकर में कतर के रास लाफान से 97,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल भरा हुआ था।

'देश गरिमा' के अलावा, 13 अप्रैल को अमेरिका द्वारा नाकाबंदी शुरू होने के बाद से 30 से अधिक टैंकर कथित तौर पर होर्मुज से गुजर चुके हैं।

कई गैर-भारतीय जहाजों के ईरान से भारत की ओर जाने की चर्चा है, हालांकि तेहरान या नई दिल्ली की ओर से इसकी कोई पुष्टि या खंडन नहीं किया गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, वर्तमान में होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र में 14 भारतीय पोत मौजूद हैं।

होर्मुज से गुजरते हैं दुनिया के 20 फीसदी तेल और गैस

होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण संकरा रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से अलग करता है।

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग के रूप में यह वैश्विक तेल के लगभग 20% हिस्से के साथ-साथ लिक्विफायड नेचुरल गैस (छठॠ), लिक्विफायड पेट्रोलियम गैस (छढॠ) और अन्य पेट्रोलियम प्रोडॅक्ट्स की सप्लाई का आसान बनाता है।

ओमान करा सकता है अमेरिका-ईरान में समझौता

ओमान अपने तटस्थ दृष्टिकोण के कारण अमेरिका के साथ वार्ता में मध्यस्थ के रूप में फिर से उभर रहा है। ओमान खाड़ी क्षेत्र में भारत का सबसे पुराना रणनीतिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध हैं। सूत्रों के अनुसार, शांति समझौते के लिए अमेरिकी मांगों को पूरा करने के प्रयासों के कारण

ईरान का पाकिस्तान पर भरोसा कम हो रहा है।

होर्मुज से भारतीय झंडे वाले जहाजों की आवाजाही में बाधा

तेहरान के साथ गहन कूटनीति के बाद हाल के दिनों में भारत होर्मुज स्ट्रेट से अपने जहाजों को निकालने में सफल रहा है। हालांकि, कुछ जहाजों पर कभी-कभार हमले भी हुए हैं। इन सबकी वजह से हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय झंडे वाले जहाजों की आवाजाही थम सी गई है।

पीएम मोदी के दौरे में रखी गई थी व्यापक संबंधों की नींव

पीएम मोदी के 17-18 दिसंबर 2025 को ओमान दौरे के वक्त भारत-ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (उएढअ) के अलावा समुद्री विरासत, कृषि और हायर एजुकेशन जैसे क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों (टङ्क्व) पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेताओं ने 2023 के विजन-दस्तावेज के तहत रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित रणनीतिक सहयोग को और अधिक गहरा करने पर चर्चा की थी।

ओमान-भारत के बीच ये भी होगा सहयोग

दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाए जाने और अलग-अलग तरह की वृद्धि तथा विविधीकरण की संभावना पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने वस्त्र, ऑटोमोबाइल, रसायन, उपकरण और उर्वरक सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा देने की विशाल संभावना को स्वीकार किया।

दोनों पक्षों ने ऊर्जा क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने भारतीय और वैश्विक ई-एंड-पी अवसरों में सहयोग, हरित अमोनिया और हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में नई और नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग को बढ़ाए जाने पर भी बात की थी।

भारत-ओमान रक्षा क्षेत्र में सहयोग को गहरा कर रहे हैं। दोनों देश संयुक्त अभ्यास, ट्रेनिंग और उच्च स्तरीय दौरे करते रहे हैं, ताकि साझा लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। दोनों ने समुद्री अपराधों और समुद्री डकैती को रोकने के लिए संयुक्त पहलों को अपनाने पर भी सहमति जताई है।

धोनी-रोहित के राज में भी सलामत है सचिन की बादशाहत! आईपीएल इतिहास का वो रिकॉर्ड, जो कोई नहीं तोड़ सका?

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 के 39वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने दिल्ली कैपिटल्स को उनके ही घर अरुण जेटली स्टेडियम में बुरी तरह से हराया। महज 76 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने सिर्फ 6.3 ओवर (39 गेंद) में मैच जीतकर आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत (बची हुई गेंदों के लिहाज से) दर्ज की। बेंगलुरु ने यह मुकाबला 9 विकेट से जीता और 81 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है खास रिकॉर्ड

आरसीबी की इस तूफानी जीत के बावजूद सबसे तेज रन चेज का रिकॉर्ड आज भी मुंबई इंडियंस के नाम है। साल 2008 में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के खिलाफ 68 रनों का लक्ष्य महज 5.3 ओवर में हासिल कर लिया था। 18 साल बीत जाने के बाद भी मास्टर ब्लास्टर का

यह कप्तानी रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सका है। आईपीएल के सबसे सफल कप्तान धोनी-कोहित जैसे दिग्गज भी सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में नाकाम रहे। दिल्ली की बल्लेबाजी के ताश के पत्तों की तरह बिखरने के पीछे आरसीबी के तेज गेंदबाजों का हाथ रहा।

आरसीबी ने किया कमाल का प्रदर्शन

हेजलवुड ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और दिल्ली के टॉप ऑर्डर को क्रीज पर टिकने का मौका नहीं दिया। अनुभवी भुवी ने 3 विकेट लेकर दिल्ली की कमर तोड़ दी। दिल्ली की पूरी टीम 16.3 ओवरों में महज 75 रनों पर सिमट गई। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने आक्रामक रुख अपनाया। देवदत्त पादिक्कल (34*) और विराट कोहली (23*) ने मिलकर दिल्ली के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी।

कोहली ने IPL करियर में पूरे किए 9,000 रन

कोहली ने इसी पारी के दौरान अपने आईपीएल करियर के 9,000 रन भी पूरे किए, जो इस ऐतिहासिक रात के लिए सोने पर सुहागा रहा। दिल्ली कैपिटल्स की यह हार उनकी तकनीकी खामियों से ज्यादा मेंटल ब्लॉक को बताती है। घरेलू मैदान पर 75 रन पर ऑलआउट होना किसी भी प्रोफेशनल टीम के लिए स्वीकार्य नहीं है। वहीं, आरसीबी ने यह दिखा दिया है कि वे एक बार फिर ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान पर उतरी हैं। वहीं अब दिल्ली के लिए प्लेऑफ के समीकरण लगभग नामुमकिन हो चुके हैं।

एक ताने ने श्रेयस अय्यर को दिलाया जबरदस्त गुस्सा, रात-दिन मेहनत करके दिया करारा जवाब

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 के इस रोमांचक सीजन में अगर किसी एक खिलाड़ी ने आलोचकों के मुंह पर अपने प्रदर्शन से ताला लगाया है, तो वह हैं पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर। एक समय था जब क्रिकेट के गलियारों में यह चर्चा आम थी कि श्रेयस अय्यर शॉर्ट बॉल नहीं खेल सकते और विदेशी पिचों या तेज गेंदबाजों के सामने वह बेबस नजर आते हैं। लेकिन आज वही श्रेयस अय्यर 186 के तूफानी स्ट्राइक रेट से गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रेयस ने अपने दिल का दर्द और अपनी जीत की कहानी बयां की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब दुनिया उन्हें ताना मारती थी कि वह शॉर्ट बॉल के सामने टिक नहीं पाएंगे, तो वही बातें उनके लिए ट्रिगर का काम करती थीं। श्रेयस

को यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है कि वह कुछ नहीं कर सकते। एक पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और ठान लिया कि वह दुनिया को गलत साबित करके रहेंगे।

उनकी इस सफलता के पीछे उनकी रणनीति में आया एक बड़ा बदलाव है। पहले जहां श्रेयस शॉर्ट पिच गेंदों को केवल सम्मान देने या नीचे रखने की कोशिश करते थे, वहीं अब उनका नजरिया पूरी तरह आक्रामक हो चुका है। अब अगर कोई गेंदबाज उन्हें शॉर्ट बॉल से डराने की कोशिश करता है और गेंद उनके पाले में होती है, तो वह उसे सीधे स्टैंड्स में छक्के के लिए भेज देते हैं। अपनी इस तकनीक को तराशने के लिए उन्होंने प्रवीण आमरे और अभिषेक नायर जैसे दिग्गजों के साथ घंटों मैदान पर पसीना बहाया है।

श्रेयस की यह वापसी केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी मानसिक दृढ़ता का भी प्रमाण है। अपनी पीठ की गंभीर चोट के दौरान जब लोगों ने उनके करियर के खत्म होने की भविष्यवाणी कर दी थी, तब भी अय्यर ने हार नहीं मानी। उनका मानना है कि रिजेक्शन और हार ही इंसान को समझदार बनाती है। आज वह पंजाब किंग्स का नेतृत्व एक निडर सेनापति की तरह कर रहे हैं, जहां उनकी टीम 7 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में दबदबा बनाए हुए है।

'जन नायकन' की रिलीज डेट फाइनल, थलपति विजय की आखिरी फिल्म करेगी धमाका?

(जीएनएस)।

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन की रिलीज को लेकर लंबे समय से चल रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। खबर है कि फिल्म आगामी 8 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

8 मई 2026 को रिलीज हो रही है 'जन नायकन'

हालांकि मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन इंडस्ट्री में 8 मई 2026 की तारीख को लेकर लगभग मुहर लग चुकी है। इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि फिल्म को 22 जून 2026 को यानी थलपति विजय के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया जाएगा लेकिन अब नई रिलीज डेट ने फैंस का उत्साह और बढ़ा दिया है।

सेंसर बोर्ड विवाद बना सबसे बड़ी बाधा

-'जन नायकन' की रिलीज में सबसे बड़ा रोड़ा सेंसर बोर्ड के साथ चला विवाद था। फिल्म को सबसे पहले एग्जामिनिंग कमेटी के पास भेजा गया था जहां कुछ सीन पर आपत्ति जताई गई थी। इसके बाद मामला रिवाइजिंग कमिटी तक पहुंचा था, जिससे रिलीज में बार-बार देरी होती रही।

'जन नायकन' पर क्यों हो रहा विवाद?

-पहले ये फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली थी और एडवांस बुकिंग में ही 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का आंकड़ा पार कर चुकी थी लेकिन सेंसर क्लियरेंस न मिलने के कारण आखिरी वक्त पर इसे रोकना पड़ा था। अब खबर है कि सभी अड़चनें दूर हो चुकी हैं और फिल्म की रिलीज को हरी झंडी मिल गई है।

ऑनलाइन लीक से बढ़ी टेंशन, फिर भी हाई है उम्मीदें

-रिलीज से पहले फिल्म 'जन नायकन' के ऑनलाइन लीक होने की खबरों ने मेकर्स की चिंता जरूर बढ़ाई है। ऐसे मामलों में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ता है लेकिन थलपति विजय की जबरदस्त फैन फॉलोइंग को देखते हुए ट्रेड एक्सपर्ट्स को अभी भी फिल्म से धमाकेदार ओपनिंग की उम्मीद है।

-खास बात ये है कि 'जन

नायकन' को थलपति विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म के रिलीज के बाद थलपति विजय ग्लैमर वर्ल्ड से दूरी बना लेंगे और पूरी तरह राजनीति में एक्टिव हो जाएंगे। ऐसे में इस फिल्म की अहमियत और भी बढ़ गई है।

फिल्म की दमदार स्टारकास्ट और कहानी में ट्विस्ट

-इस फिल्म का निर्देशन ल. श्ल्लङ्ग्इँ ने किया है। फिल्म में थलपति विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे, जो कहानी को एक अलग ही दिशा देता है।

-इसके अलावा फिल्म में बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल विलेन के रूप में दिखाई देंगे जबकि प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन और ममिता बाइजू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फैंस के लिए इमोशनल मोमेंट बनने वाली है फिल्म

'जन नायकन' सिर्फ एक बड़ी रिलीज नहीं बल्कि थलपति विजय के करियर का खास पड़ाव भी है। एक सुपरस्टार के तौर पर उनकी आखिरी फिल्म होने की वजह से ये प्रोजेक्ट फैंस के लिए बेहद भावुक मायने रखता है। अब सबकी नजरें मेकर्स के ऑफिशियल ऐलान पर टिकी हैं लेकिन इतना तय है कि 8 मई 2026 को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा धमाका देखने को मिल सकता है।

भाजपा या टीएमसी? एसआईआर का असर पड़ा तो किसकी बनेगी सरकार? तगड़ा है 294 सीटों का पूरा गुणा-भाग!

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का मुकाबला अब सिर्फ प्रचार, रैलियों और नारों तक सीमित नहीं रह गया है। चुनावी चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र अब स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी रक्क्र बन चुका है। वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते दिख रहे हैं। राज्य की 294 विधानसभा सीटों पर मुकाबला मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) और भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के बीच है। सरकार बनाने के लिए 148 सीटों की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या रक्क्र इस चुनाव का सबसे बड़ा गेम चेंजर साबित होगा?

बंगाल के कई जिलों में चुनावी माहौल को समझने पर एक बात साफ दिखाई देती है कि इस बार मुकाबला सिर्फ वोट प्रतिशत का नहीं, बल्कि डर, भरोसे, पहचान और बूथ स्तर की रणनीति का भी है। मुर्शिदाबाद, मालदा, कोलकाता, नादिया, दार्जिलिंग, झारग्राम और संदेशखाली जैसे क्षेत्रों में मतदाता सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि अपने भविष्य को लेकर भी फैसला करते दिखाई दे रहे हैं। दैनिक भास्कर ने इसी रक्क्र वाले एंगल को समझने के लिए चुनावी एनालिसिस किया है। आइए समझते हैं इसमें क्या कुछ निकल कर सामने आया है।

▶ बीजेपी का गणितः 91 लाख नाम कटे, क्या खुल जाएगा सत्ता का द्वार?

बीजेपी के आत्मविश्वास के पीछे सबसे बड़ी वजह वोटर लिस्ट में हुआ बड़ा बदलाव है। इस बार रक्क्र प्रक्रिया के तहत कुल 91 लाख नाम लिस्ट से हटाए गए हैं। इनमें से करीब 47 लाख लोग वे हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले चुनावों में टीएमसी और बीजेपी के बीच वोटों का अंतर लगभग 60 लाख था।

वोट बैंक में सेंधः माना जा रहा है कि डिलीट किए गए नामों में एक बड़ा हिस्सा टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक का था। अगर ये वोट कम होते हैं, तो टीएमसी का ग्राफ नीचे गिरना तय है।

मार्जिन वाली सीटों पर असरः 2021 के आंकड़ों को देखें तो करीब 30 सीटें ऐसी थीं जहां हार-जीत का अंतर 1000 से भी कम था। वहीं 100 सीटों पर फासला 5 से 10 हजार के बीच था। 47 लाख वोट कम होने का सीधा मतलब है कि इन सीटों पर नतीजा पूरी तरह पलट सकता है।

संभावित सीटेंः इस गणित के हिसाब से बीजेपी 150 से 170 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है, जबकि टीएमसी 110-140 के बीच सिमट सकती है।

भाजपा का मानना है कि हटाए गए नामों में बड़ी संख्या उन वोटर्स की थी, जो परंपरागत रूप से तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में मतदान करते थे। वहीं तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि इस प्रक्रिया ने ग्रामीण और अल्पसंख्यक इलाकों में डर का माहौल पैदा किया है।

▶ टीएमसी का 'डर' कार्डः क्या नागरिकता का खौफ बनेगा ममता का कवच?

ग्राउंड जीरो पर कवरेज के दौरान एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। ग्रामीण इलाकों में यह अफवाह या डर घर कर गया है कि वोटर लिस्ट से नाम कटना सिर्फ प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिकता छीनने की पहली सीढ़ी है। लोगों को लग रहा है कि अगर उनका नाम लिस्ट में नहीं रहा, तो उन्हें 'घुसपैठिया' बताकर देश से बाहर कर दिया जाएगा।

बंपर वोटिंग का राजः इसी डर की वजह से इस बार 93% तक रिकॉर्ड मतदान देखा जा रहा है। लोग अपना राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और वजूद बचाने के लिए हर हाल में वोट डालने निकल रहे हैं।

अस्मिता की लड़ाईः भ्रष्टाचार और एंटी-इनकम्बेंसी जैसे बड़े मुद्दे इस 'अस्मिता' की लड़ाई के सामने फीके पड़ गए हैं। अगर यह खौफ टीएमसी के पक्ष में लामबंद हुआ, तो ममता बनर्जी 160 से 190 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बचा सकती हैं। ऐसी स्थिति में बीजेपी 80 से 110 सीटों पर ही अटक जाएगी।

▶ मुस्लिम वोटर्स का मिजाजः मालदा-मुर्शिदाबाद में क्या कांग्रेस करेगी कमाल?

मुस्लिम बहुल इलाकों में इस बार समीकरण थोड़े उलझे हुए हैं। मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में टीएमसी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को लेकर नाराजगी साफ दिख रही है।

कांग्रेस को ऑक्सीजनः चूंकि मुस्लिम वोटर बीजेपी के साथ जाने से परहेज करता है, इसलिए उनकी पहली पसंद के तौर पर कांग्रेस उभर रही है। जानकारों का मानना है कि कांग्रेस यहां 1 से 3 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकती है।

अन्य खिलाड़ीः दक्षिण बंगाल में पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की क्रऋ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) एक या दो सीटों पर मजबूत है। वहीं, वामपंथी दल (CPI-M) कुछ सीटों पर दूसरे नंबर पर रहकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं। हुमायूं कबीर की पार्टी AJUP का फिलहाल कोई खास असर नहीं दिख रहा है।

▶ सुरक्षा का घेरा और बाहरी राज्यों की रणनीति

बीजेपी ने इस बार अपनी रणनीति में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मालदा, मुर्शिदाबाद और संदेशखाली जैसे संवेदनशील इलाकों में पैरा-मिलिट्री फोर्सेज की भारी तैनाती है।

निडर वोटिंगः गलियों में फोर्स होने की वजह से आम लोग बिना किसी डर के बूथ तक पहुंच रहे हैं, जिसे बीजेपी अपने लिए फायदेमंद मान रही है।

मंत्रियों की फौजः बीजेपी शासित राज्यों (यूपी, एमपी, बिहार, असम) के मंत्री, सांसद और विधायक हर बूथ पर माइक्रो-मैनेजमेंट कर रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दों के साथ-साथ बीजेपी ने टीएमसी की 'लक्ष्मी भंडार' योजना के जवाब में 3000 रुपये देने का बड़ा वादा भी दांव पर लगा दिया है।

बंगाल का चुनावी इतिहास?

बंगाल में जब-जब बंपर वोटिंग हुई है, तब-तब सत्ता की कुर्सी हिली है।

1977 का चुनावः यहां 56.15% वोटिंग हुई और कांग्रेस को हटाकर कम्युनिस्टों ने सत्ता संभाली।

2011 का चुनावः 85.55% की भारी वोटिंग हुई और ममता बनर्जी ने 34 साल पुराने वामपंथी किले को ढहा दिया।

2026 का अनुमानः इस बार 93% वोटिंग ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। विश्लेषक इसे सत्ता विरोधी लहर मान रहे हैं, जो बीजेपी के लिए शुभ संकेत हो सकता है।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 में असली मुकाबला अब सिर्फ दो पार्टियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग नैरेटिव के बीच दिखाई देता है। भाजपा मानती है कि वोटर लिस्ट संशोधन और एंटी इनकम्बेंसी उसे सत्ता तक पहुंचा सकते हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस को भरोसा है कि डर, पहचान और सामाजिक समीकरण उसे एक बार फिर मजबूत बनाएंगे।

सीएम योगी का आज अयोध्या दौरा, भव्य धार्मिक कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा; ऐसा रहेगा शेड्यूल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार, 29 अप्रैल को अयोध्या के दौरे पर रहेंगे, जहां वे कई महत्वपूर्ण धार्मिक और आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे रामलला के दर्शन और हनुमानगढ़ी के पूजन सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाएंगे। पूरा दौरा लगभग 1 घंटे 45 मिनट का रहेगा, जिसमें वे कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल यानी बुधवार 29 अप्रैल को अयोध्या का दौरा करेंगे, जहां वे कई धार्मिक और आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री शाम 4:10 बजे हेलीकॉप्टर के जरिए राम कथा पार्क स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद वे लगभग 4:30 बजे हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे और फिर 4:35 बजे रामलला के दरबार में पहुंचकर पूजन-अर्चना करेंगे। रामलला के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री 4:45 बजे शिव मंदिर पहुंचेंगे, जहां वे मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे।

कितने घंटें का होगा पूरा दौरा?

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री राम मंदिर परिसर में उपस्थित करीब 800 अतिथियों को संबोधित भी करेंगे। शाम 5:45 बजे वे राम जन्मभूमि परिसर से राम कथा पार्क हेलीपैड के

लिए रवाना होंगे और वहां से राजधानी के लिए प्रस्थान करेंगे। पूरा दौरा लगभग 1 घंटे 45 मिनट का रहेगा, ऐसे में राम नगरी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत

वहीं आज राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्प गुच्छ देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी में स्वागत किया। पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे। वाराणसी पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं के साथ बाबा विश्वनाथ धाम में विधिवत दर्शन-पूजन किया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा, "अविनाशी काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ जी के गर्भगृह में विधिवत दर्शन-पूजन कर महादेव का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। देवाधिदेव महादेव के चरणों में राष्ट्र की निरंतर प्रगति, जनकल्याण और प्रत्येक नागरिक की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। हर हर महादेव।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा ये

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से लिखा, "भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ आज शिव नगरी काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों व प्रदेशवासियों का कल्याण करें, यही प्रार्थना है।" भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, "अविनाशी नगरी काशी स्थित विश्वनाथ धाम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ बाबा विश्वनाथ के ज्योतिर्लिंग का पूजन-अर्चन किया।" चौधरी ने कहा, "इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।" उन्होंने कहा कि बाबा से यही प्रार्थना है कि वे चराचर जगत का कल्याण करें और राष्ट्र की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें, हर-हर महादेव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार 28 अप्रैल से उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत यूपी के सभी प्रमुख नेता काशी पहुंचे हैं।

कानपुर में नजूल जमीनों के खेल पर सीएम योगी का एक्शन, 200 करोड़ की जमीन मामले में 3 एफआईआर; सीएम ने मांगी पूरी रिपोर्ट

(जीएनएस)।

कानपुर। जिले में नजूल भूमि की अवैध खरीद-बिक्री के मामलों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने नजूल संपत्तियों के पूरे ब्योरे के साथ हाल के वर्षों में हुई रजिस्ट्री, उपयोग और स्वामित्व से जुड़ी जानकारी मांगी है। खास तौर पर उन मामलों पर फोकस किया गया है, जिनमें सरकारी जमीनों को नियमों के विरुद्ध बेचने या कब्जाने की शिकायतें सामने आई हैं।

प्रशासन ने रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है और विभिन्न विभागों से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। सिविल लाइंस के ग्वालटोली शूटरगंज इलाके में स्थित नजूल भूमि पर बीते 42 सालों से सीबीसीआइडी का कार्यालय संचालित हो रहा था। इस नजूल भूमि का 24.77 करोड़ रुपये में एक निजी कंपनी को बेच दिया गया। प्रशासनिक जांच के बाद 17 अप्रैल 2026 को सदर तहसील के लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा की तहरीर पर आरोपित पट्टाधारक तरंग बेरी,

अमेरिका के लास एंजिलिस निवासी नीरज बेरी, पेंसिल्वेनिया निवासी विकास बेरी, पोर्टलैंड निवासी मनका शर्मा व एसए बिल्ड हाई प्राइवेट लिमिटेड और उसके डायरेक्टर अहमद ऐतिशाम को नामजद करते मुकदमा दर्ज किया गया है।

जिले में नजूल जमीनों की खरीद-बिक्री का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते एक वर्ष में कम से कम तीन बड़े प्रकरणों में एफआइआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 206 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी संपत्तियों के अवैध तरीके से बेचे जाने का आरोप है। इनमें सिविल लाइन्स क्षेत्र के कई प्लाट शामिल हैं, जहां बिना सक्षम अनुमति के बैनामे कर दिए गए और कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य भी करा लिया गया।

मुख्यमंत्री स्तर से रिपोर्ट तलब होने के बाद प्रशासनिक अमले में हलचल तेज हो गई है। अधिकारियों को आशंका है कि जांच के दौरान और भी प्रकरण सामने आ सकते हैं। इसी के चलते यह भी खंगाला जा रहा है कि कहीं इन मामलों में किसी संगठित गिरोह या अधिकारियों की मिलीभगत तो नहीं रही।

प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि नजूल भूमि पूरी तरह सरकारी संपत्ति होती है और इसका हस्तांतरण बिना वैधानिक अनुमति के अवैध है। ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी, जिससे आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर खुलासे और कड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

नजूल भूमि पर बने सीबीसीआइडी कार्यालय के साथ ही अन्य जमीनों की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय से रिपोर्ट मांगी गई है। जल्द ही रिपोर्ट तैयार करके भेजी जाएगी। - **विवेक चतुर्वेदी, एडीएम वित्त एवं राजस्व**

एक तरफ पीएम मोदी ने भरी हुंकार, दूसरी तरफ सीएम योगी ने गिनाई विकास की उपलब्धियां, काशी में दिखा डबल इंजन का पावर

(जीएनएस)।

महादेव की नगरी काशी में मंगलवार के दिन पीएम मोदी का आगमन हुआ. यहां उन्होंने जिले को कई नई परियोजनाओं से जोड़ा. उन्होंने काशी के विकास के लिए कुल 6332.08 करोड़ रुपये की 163 परियोजनाओं की सौगात दी. इनमें 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है.

वाराणसी में पीएम मोदी और सीएम योगी का संबोधन

वाराणसीः देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार, 28 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने जिले को कई बड़े सौगात दिए. बाबतपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत पार्टी पदाधिकारियों और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया. इसके बाद सेना के हेलीकॉप्टर से बीएलडब्ल्यू हेलीपैड पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री ने बरेका में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित किया. इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. बाबा दरबार में सभी ने हाजिरी लगाई और बाबा का अभिषेक किया. इस दौरान उन्होंने काशी के विकास के

लिए कुल 6332.08 करोड़ रुपये की 163 परियोजनाओं की सौगात दी. इनमें 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है.

सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए विकास की रूपरेखा खींचने के साथ महिलाओं के हितों के लिए सरकार के किए जा रहे प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उन्हें 'नए भारत का निमार्ता' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री के विजन और नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज देश एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और हम सभी नए भारत का साक्षात दर्शन कर रहे हैं. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह सम्मेलन महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

मंत्री रहते बताया देशद्रोही, अब बागेश्वर से गुहार लगा रहे तेज प्रताप, बोले- 'बाबा हमारा राजनीति देख लीजिएगा'

(जीएनएस)।

हाल ही में छतरपुर के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और बिहार के नेता तेज प्रताप यादव के बीच हुई एक वीडियो कॉल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस बातचीत ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। वीडियो में तेज प्रताप यादव अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल पूछते नजर आ रहे हैं, जिसकी वजह से चर्चा और तेज हो गई है।

वीडियो में गुहार लगाते दिखे तेज प्रताप यादव

वायरल क्लिप में तेज प्रताप यादव काफी उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बागेश्वर महाराज से अपने राजनीतिक करियर को लेकर पूछा, "बाबा, मेरा राजनीतिक देख लीजिएगा।" इस एक लाइन ने सोशल मीडिया पर कई तरह की चचाओं को जन्म दे दिया है। लोग इस सवाल को आने वाले चुनावों और उनके राजनीतिक भविष्य से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल वे 2025 का विधानसभा चुनाव हार चुके हैं और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने क्या जवाब दिया?

तेज प्रताप यादव के सवाल पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मुस्कुराते हुए नजर आए। उन्होंने जवाब दिया

कि इस तरह के महत्वपूर्ण विषय पर आमने-सामने बैठकर विस्तार से बात करना ज्यादा सही रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मुलाकात होने पर इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा की जाएगी। जिसके बाद तेज प्रताप मुलाकात के लिए तुरंत राजी हो गए। ये बातचीत छोटी थी लेकिन इसके मायने गहरे हैं।

कभी धीरेंद्र शास्त्री को दी थी चेतावनी

साल 2023 में 13 से लेकर 17 मई तक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का पटना में कथा आयोजन था। तब तेज प्रताप यादव बिहार सरकार में मंत्री थे। इस दौरान उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा था कि "वे बिहार आ रहे हैं स्वागत है, लेकिन अगर हिन्दु-मुस्लिम करेंगे तो उन्हें जाना पड़ेगा।" तेज प्रताप ने ये तक कह दिया था कि "हम उनका पटना एयरपोर्ट पर घेराव करेंगे और उन्हें वहीं से वापस लौटना होगा"। इसके बाद 16 मई को तेज प्रताप ने एक बार फिर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर कहा कि "हम किसी बाबा आबा टाबा को नहीं जानते"। इसके अलावा एक मौके पर तेज प्रताप ने ये भी कहा था कि "वह हमसे माफी मांग रहा है। बाबा बागेश्वर डरपोक है- देशद्रोही है"। हालांकि अब वे उन्हीं से गुहार लगा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर बंटी लोगों की राय

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे सामान्य बातचीत बता रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स इसे धर्म और राजनीति के मेल के तौर पर देख रहे हैं। कई लोगों ने मजेदार मीम्स भी शेयर किए हैं।

वीडियो की अभी तक नहीं हुई पुष्टि

गौर करने वाली बात यह है कि इस वायरल वीडियो की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न तो धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तरफ से कोई बयान आया है और न ही तेज प्रताप यादव ने इस पर कुछ कहा है। इसी वजह से वीडियो कब का है, किस संदर्भ में बना और कैसे सामने आया, यह साफ नहीं हो पाया है। वनइंडिया भी इसकी पुष्टि नहीं करता है। हमने इस बारे में तेज प्रताप यादव को कॉल कर उनसे जानने की कोशिश की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर जवाब आता है तो उसे भी शामिल किया जाएगा।

सीएम योगी करेंगे शिव मंदिर पर ध्वजारोहण, क्यू कोड से युक्त पास से होगा प्रवेश; 1000 मेहमान होंगे शामिल

अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को राम मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर पर ध्वजारोहण करेंगे। कार्यक्रम में करीब 1000 मेहमान शामिल होंगे। प्रवेश केवल क्यूआर कोड पास से मिलेगा। सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी।

राम मंदिर के परकोटा स्थित शिव मंदिर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ध्वजारोहण करेंगे। इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समारोह में 1000 से अधिक विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में अयोध्या के प्रमुख संत-धमार्चार्य, विश्व हिंदू परिषद , संघ और भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है। स्थानीय लोगों को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

मंगलवार देर शाम सुरक्षा एजेंसियों और ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सभी अतिथियों को शाम चार बजे तक राम मंदिर परिसर में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। प्रवेश केवल क्यूआर कोड युक्त पास से ही दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से मोबाइल फोन, लाइसेंसी हथियार और अंगरक्षकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

मुख्यमंत्री करीब दो घंटे तक परिसर में रहेंगे। ध्वजारोहण कार्यक्रम शाम पांच बजे निर्धारित है, जिसके बाद वह उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को रामलला का प्रसाद वितरित किया जाएगा तथा राम मंदिर सहित अन्य मंदिरों के दर्शन भी कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री हनुमान गढ़ी में भी दर्शन-पूजन करेंगे।

रातभर चला सघन सुरक्षा अभियान

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व रूप से कड़ी कर दी गई है। पूरे क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है।

एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे के नेतृत्व में मंगलवार देर रात व्यापक सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

एसपी सुरक्षा ने बताया कि ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखी जाएगी, जबकि एटीएस के जवानों को सुरक्षा की कमान सौंपी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी है।

बप्पा की शरण में मां का हाथ थामे नजर आए अभिषेक शर्मा, मैच से पहले मांगी जीत की मन्नत

(जीएनएस)।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में होने वाले महामुकाबले से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा एक अलग अवतार में नजर आए। आईपीएल 2026 में 212 के स्ट्राइक रेट से तबाही मचा रहे इस बल्लेबाज ने अपनी मां के साथ सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेककर जीत का आशीर्वाद लिया। सीजन में 380 रन बना चुके अभिषेक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मां के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे अभिषेक

इस दौरान उनकी मां भी उनके साथ मौजूद रहीं। मैदान पर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाने वाले इस युवा बल्लेबाज

की सादगी का यह अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबला प्लेऑफ की रेस के लिहाज से बेहद अहम है। वानखेड़े स्टेडियम में उतरने से पहले अभिषेक शर्मा ने अपनी मां के साथ भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

आईपीएल में बल्ले से बरसा रहे हैं रन

टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे अभिषेक अक्सर अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और गुरुओं को देते हैं। मंदिर से बाहर निकलते हुए उनका वीडियो फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें वे भक्ति भाव में डूबे नजर आ रहे हैं। अभिषेक शर्मा इस सीजन में न केवल हैदराबाद बल्कि पूरे आईपीएल के सबसे खतरनाक ओपनर बनकर उभरे हैं।